बिरसा मुंडा

(जनजातीय गौरव)

संपादक

आलोक कुमार चक्रवाल

बिरसा मुंडा
(जनजातीय गौरव)

संपादक

प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल

कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

सह-संपादक

प्रो. शैलेन्द्र कुमार

कुलसचिव, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

संपादक-मंडल

प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र
विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. घनश्याम दुबे
सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. नीलकंठ पाणिग्राही
विभागाध्यक्ष
मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. सुबल दास
सहायक प्राध्यापक
मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

किताबवाले
दिल्ली-110002

अस्वीकरण

इस पुस्तक में लिखे और व्यक्त किए गए सभी विचार लेखकों के हैं, प्रकाशक किसी भी जानकारी की मौलिकता और पुस्तक में निहित सामग्री या पुस्तक में व्यक्त किए गए विचारों के लिए कोई जिम्मेदारी या दायित्व नहीं मानता है।

शीर्षक : बिरसा मुंडा (जनजातीय गौरव)

सम्पादक: प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल, प्रो. शैलेन्द्र कुमार

© सम्पादक एवं प्रकाशक

संस्करण : 2022

ISBN : 978-93-90702-70-1

प्रकाशक :

किताबवाले

22/4735, प्रकाश दीप बिल्डिंग,
अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110 002

मुद्रक :

इन-हाउस (सैल्फ)
नई दिल्ली-110 002

अनुक्रमणिका

संदेश सुश्री अनुसुईया उइके (माननीया राज्यपाल, छ.ग.) (*iii*)

संदेश धर्मेन्द्र प्रधान (माननीय मंत्री, भारत सरकार) (*v*)

संपादक की कलम से (*vii*)

1. **Birsa : Making of The Dharti Aba** 1
   Sanjay Kumar Sinha
2. **Bhagwan Birsa Munda: A Tribal Hero of Indian Adivasis** 10
   Kunal Kashyap, Priyanka, Subal Das
3. **The Ulgulan for Jal, Jangal and Jamin** 14
   Vipin Tirkey
4. **Birsa Munda and his Political Vision** 18
   Sudarshan Singh
5. **The Legend of The Ulgulan** 24
   Payal Singh
6. **Fir Se Kareu Ulgulan Re: An Analysis of Nagpuri Song Dedicated to Bhagwan Birsa Munda** 33
   Sirista Julita Meenz, Balram Oraon
7. **जनजातीय चेतना के महानायक बिरसा मुंडा** 37
   प्रवीन कुमार मिश्रा
8. **बिरसा मुंडा और उनका आंदोलन : इतिहास लेखन, प्रकृति और प्रसांगिकता** 44
   रितेश्वर नाथ तिवारी
9. **आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा : एक अध्ययन** 52
   शशिकांत पाण्डेय
10. **समकालीन संदर्भ में बिरसा मुंडा के चिन्तन की उपादेयता** 61
    प्रमोद कुमार, संजय यादव

11. **भारतीय प्रतिरोध का जननायक : अमर शहीद बिरसा मुण्डा** 70
अतुल कुमार मिश्र, सीमा पाण्डेय

12. **आदिवासियों के जननायक बिरसा मुंडा तथा उनका धर्म** 78
अनिल कुमार ठाकुर

13. **''बिरसाइत'' धर्म के जीवन संस्कार संबंधित प्रथाएँ: एक मानवैसानिक अध्ययन** 86
शीला पुरती, अबु हुरैरा अंसारी

14. **बिरसा मुंडा एवं राष्ट्रवाद** 90
प्यारेलाल आदिले, मनहरण अनन्त

15. **बिरसा मुण्डा का धार्मिक चिंतन और बिरसा धर्म** 96
घनश्याम दुबे, गुलजार सिंह ठाकुर

16. **समकालीन भारत में बिरसा मुण्डा और उनके जीवन दर्शन की प्रासंगिकता** 101
बिजय प्रकाश शर्मा

17. **औपनिवेशिक भारत में बिरसा मुंडा का संघर्ष** 109
आशीष कुमार सिंह

18. **मुंडा जनजाति में स्वजगारण का द्योतक उलगुलान का स्वरूप** 115
अभिषेक कुमार तिवारी, घनश्याम दुबे

19. **जनजातियों में स्वचेतना का जागरण : बिरसा मुंडा** 122
सीमा पाण्डेय, गोविंद सिंह ठाकुर

20. **बिरसा मुंडा : सामाजिक-धार्मिक आन्दोलन के क्रांतिदूत** 127
घनश्याम दुबे, सचिन कुमार

21. **औपनिवेशिक भारत में बिरसा मुंडा का संघर्ष** 136
आचार्य प्रदीप शुक्ला, अमर नारायण

22. **बिरसा मुंडाः दीकु, संघर्ष तथा स्वर्ण युग की संकल्पना** 142
प्रदीप शुक्ला, परिवेश कुमार बर्मन

23. **आदिवासियों के उत्थान का मसीहा बिरसा मुंडा** 153
सीमा पाण्डेय, सुभाष कुमार

24. **भारत के प्रतिरोध का इतिहास एवं बिरसा मुंडा** 158
गणेश कोशले

11

भारतीय प्रतिरोध का जननायक: अमर शहीद बिरसा मुण्डा

अतुल कुमार मिश्र*, सीमा पाण्डेय**

सारांश—ब्रिटिश सरकार की औपनिवेशिक नीतियों के कारण आदिवासी समाज, ब्रिटिश शोषण के विरुद्ध आक्रामक आंदोलन करने की ओर प्रेरित हुआ। नये करों का भारी बोझ, जनजाति तथा आदिवासी क्षेत्रों से स्वंम की जमीन से बेदखल कर भूमि पर कब्जा करना, बिचौलिये व महाजनों के उदय से इनके अधिकारों का हनन होना व ईसाई मिशनरी की भूमिका आदि ऐसे कारक रहे जिन्होने आदिवासी असंतोष को एक उग्र रूप प्रदान किया। भारत में हुए जनजातीय विद्रोहों में 1899-1900 के बीच मुण्डा विद्रोह सर्वाधिक महत्वपूर्ण था जिसका नेतृत्व बिरसा मुण्डा कर रहे थे। बिरसा मुण्डा शुरु में अपने दवा के ज्ञान और बीमारों को ठीक करने की शक्ति के कारण जाने गए थे। उन्होने एक ऐसी स्थिति की कल्पना की थी जिसमें न तो देशी और न ही विदेशी शोषक हों। उन्होने आदिवासी समाज में व्याप्त अंधविश्वास व कुरीतियों को दूर करने के लिए भी प्रयास किये। बिरसा ने 'अबुआ दिशुम अबुआ राज' अर्थात् 'हमारा देश हमारा राज' का नारा दिया। तात्कालिक तौर पर ब्रिटिश हुकुमत ने बर्बरतापूर्वक उलगुलान व उसके नेता बिरसा मुण्डा का दमन तो कर दिया किन्तु जिस चेतना का संचार बिरसा मुण्डा ने किया उसका अंत कर पाना किसी भी हुकुमत के लिए संभव नहीं था।

बीज शब्द: बिरसा मुण्डा, जनजातीय विद्रोह, अबुआ दिशुम अबुआ राज, उलगुलान।

ब्रिटिश साम्राज्यवाद की नीतियों ने आदिवासी समाज को एक विशेष तरह से राष्ट्रीय आंदोलन से दूर रखा क्योंकि वे आदिवासियों की विस्फोटक संभावनाओं से परिचित थे, उन्हें यह भय था कि यदि ये आदिवासी राष्ट्रीय आंदोलन से एकाकार हो गए तो ब्रिटिश साम्राज्यवाद संकट में पड़ जाएगा। स्वतंत्रता के लिए भारत में अनेक समुदायों ने मिलकर ब्रिटिश सत्ता के अंत के लिए अथक प्रयत्न किया किन्तु जो उग्रता जनजातीय आंदोलन में दिखाई पड़ती है

* *शोधार्थी*, इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

** *सहायक प्राध्यापक*, इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)